SHASTRI PART- III EXAMINATION, 2024

ज्योतिष

LIBRARY COPY

Paper – I (12025)

ज्योतिष – I

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 80

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

केचन दशप्रश्नाः समाधेयाः। $2 \times 10 = 20$

1- बृहद्वास्तुमालाग्रन्थस्य कर्ता कः?

2- श्रेष्ठाश्रमःकः?

3- कस्य क्रिया गृहं विना न सिद्धयति?

4- शैलैःगृहनिर्माणे कति गुणाधिकं फलं लभते?

5- कूपस्य जीर्णोद्धारफलं कति गुणा कथितम्?

6- परगृहनिवासफलं किम्?

7- कतिवर्गाःभवन्ति?

8- क वर्गस्य स्वामी कः?

9- च वर्गस्य स्वामी कः?

10- अ वर्गस्य शत्रुः कः?

11- अग्निकोणप्लवा भूमिफलं लिखतु।

12- घृतगन्धाभूमिः केषां कृते शुभः?

13- क्षत्रियाभूमिः का?

14- कूर्मपृष्ठभूमेः लक्षणं लिखतु।

15- गजपृष्ठभूमेः लक्षणं लिखतु।

केचन प्रश्नत्रयमेव समाधेयाः। $10 \times 3 = 30$

13- काकिणीविधिः प्रदर्शनीयः।

14- भूमेः प्लवत्वं उपस्थापनीयः।

16- प्रशस्तभूमेः लक्षणं लिखतु।

17- खातविधिः प्रदर्शनीयः।

18- भूमिसंशोधनप्रकारं लिखतु।

19- वासयोग्याभूमिः प्रदर्शनीयः।

द्वौ प्रश्नौ समाधेयौ- $15 \times 2 = 30$

20- भूमिदोषाः लिखन्तु।

21- भूमिपूजाविधिः उपस्थापनीयः।

22- शिलान्यासविधिः प्रदर्शनीयः।

23- शल्यानयनं लिखतु।

SHASTRI PART- III EXAMINATION, 2024

ज्योतिष

LIBRARY COPY

Paper – II (12026)

ज्योतिष – II

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve any 10 questions out of 15 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) **(10 x 2 = 20)**

Q.1 "होरा ज्ञानविधिः लेख्यः।

Q.2 षड्वर्गानां नामानि लेख्यानि ।

Q.3 बुधस्थ नैसर्गिकमित्र-सम-शत्रुग्रहा: लेख्या।

Q.4 भौम-गुरुशनैश्चराणां विशेषदृष्टिस्थानानि लेख्यानि ।

Q.5 ग्रहाणां रत्नानि लेख्यानि ।

Q. 6 ग्रहाणां उच्चराशयः परमोच्चांश्च लेख्या ।

Q.7 बालारिष्टवर्षप्रमाणं लेख्यम् ।

Q.8 निसर्गायुसाधने सूर्यादीनां वर्षप्रमाण लेख्यम् ।

Q.9 अनफा योगस्य लक्षणं लेख्यम् ।

Q. 10 प्रथम भावगतगुरोः फलं लेख्यम् ।

Q. 11 सप्त्मभावेन विचारणीयविषया: लेख्यम् ।

Q.12 एको नपुंसकयोगों लेख्य: ।

Q.13 सूर्यादीनां विंशोत्तरीदशावर्षाणि लेख्यानि ।

Q.14 सप्तमस्थ: सूर्य: किं करोति ?

Q.15 शीर्षोदय राशयः के?

Part B

The candidate will have to solve any 3 questions out of 5 questions. All question carry equal marks. (word limit 150-200) **(3 x 10 = 30)**

Q.1 दुरुधरायोगस्य सफलं लक्षणं लेख्य: ।

Q.2 नवमांश ज्ञान विधि लेख्य: ।

Q.3 सूर्यादीनाम् नैसर्गिकमित्र-सम-शत्रवो लेख्यः।

Q.4 सफलं बालारिष्टयोगस्य लक्षणं लेख्यः।

Q.5 गजकेसरी योगस्य सफलं लक्षणं लेख्यः।

Part C

The candidate will have to solve any 2 questions out of 4 questions. All question carry equal marks. (word limit 300) **(2 x 15 = 30)**

Q. 1 पंचमहा पुरुषयोगानाम् सफलं लक्षणं लेख्यः।

Q.2 भावानां केन्द्रादिसंज्ञां विलिख्य सूर्यादीनां स्वरूपं लेख्यः।

Q.3 सफलं राज्योगों लेख्यः।

Q.4 षड्क्लीवयोगानाम् सप्रमाणं लक्षणं लेख्यः।

SHASTRI PART- III EXAMINATION, 2024

हिन्दी साहित्य

PAPER – III (12021)

हिन्दी साहित्य - I

LIBRARY COPY

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 80

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

(खण्ड -अ) 2×10=20 अंक

इस खंड में कुल 15 अति लघुत्तरात्मक प्रश्न है जिसमें 10 प्रश्न हल करने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

(खण्ड-ब) 3×10=30 अंक

इस खंड में पांच लघुत्तरात्मक प्रश्न अथवा व्याख्याएँ हैं जो 5 इकाइयों में विभक्त है। इसमें 5 में से 3 प्रश्न हल करने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। शब्द सीमा-150 से 200 शब्द से अधिक।

(खण्ड-स) 2×15 =30 अंक

इस खंड में 4 निबंधात्मक प्रश्न है। कुल 2 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। शब्द सीमा - 300 शब्द से अधिक।

खण्ड -अ

1. निम्नलिखित में से किन्ही 10 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है- (20 अंक)

1. भक्ति काव्य से क्या तात्पर्य है?
2. भक्तिकाल की कृष्णभक्ति शाखा के किन्ही चार कवियों के नाम लिखिए।
3. कबीर के अनुसार निर्गुण ब्रह्म का स्वरूप क्या है?
4. कवीरदास जी को 'वाणी का डिटेक्टर' किसने और क्यों कहा है?
5. सूरदास जी भक्तिकालीन किस काव्य धारा के कवि रहे हैं?
6. सूरदास जी के काव्य का वर्ण्य-विषय क्या रहा है?
7. जायसी को सूफी काव्य धारा का प्रतिनिधि कवि क्यो कहा जाता है?
8. जायसी द्वारा रचित ग्रंथों का नामोल्लेख कीजिए।
9. तुलसीदास जी द्वारा रचित 'रामचरितमानस' में प्रयुक्त भाषा का उल्लेख कीजिए।
10. 'ढोला मारु रा दूहा' के रचनाकार का नाम बताइए।
11. लक्षणा शब्द शक्ति से आप क्या समझते हैं

12. रसखान के काव्य का मुख्य छंद कौनसा है?

13. मीराबाई की भक्ति किस भाव की है?

14. सुंदरदास जी की प्रमुख रचनाएँ कौन-कौनसी है?

15. 'नहुष' काव्य का मूल प्रतिपाद्य क्या है?

खण्ड - ब

इकाई -1

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

नव पौरी पर दशवँ दुवारा। तेहि पर बाज राज-घरियारा॥
घरी मो बैठि गनै घरियारी। पहर पहर सौं आपनि बारी ॥
जबहीं घरी पूजि तेई मारा।घरी-घरी घरियार पुकारा ॥
परा जो डाँड जगत सब डाँडा।का निचिंत माटी करभाँडा॥
तुम्ह तेहि चाक चढे हौ काँचे।आएहु रहै न थिर होइ बाँचे॥
घरी जो भरी घटी तुम्ह आऊ।का निचिंत होइ सोउ बटाऊ॥
पहरहिं पहर गजर निति होई।हिंयाबजर,मन जाग न सोई॥

मुहम्मद जीवन-जल भरन, रहँट- घरी के रीति ।
घरी जो आई ज्यौं भरी,ढरी जनम का बीति॥

अथवा

"कबीर मध्यकाल के महान क्रांति पुरुष थे।" इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (10 अंक)

इकाई -2

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

या लकुटी अरु कामरिया पर,राज तिहुँ पुर को तजि डारौ।
आठहुँ सिद्धि नवो निधि को सुख, नंद की गाय चराय बिसारौ॥
'रसखानि' कबौं इन आँखिन तैं, ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं॥
कोटिक रो कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर बारौ॥

अथवा

तुलसीदास जी के काव्य में विद्यमान समन्वयवादी भावना पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। (10 अंक)

इकाई – 3

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

पंथी, एक संदेसड़इ, लग ढोलइ पैहच्याइ।
महाविस तन वसई, ओखद दियइ न आई॥
पंथी, एक संदेसड़इ, लग ढोलइ पैहच्याइ।
धँण,कँमलाणी, कँमलणी, सूरिज ऊगइ आइ।।

अथवा

मीराबाई की भक्ति भावना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। (10 अंक)

इकाई -4

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"फिर भी प्रणाम विना आशीर्वाद कैसे हो ?
और अपराध अपराध ही है जैसे हो।
प्रायश्चित रूप कुछ दण्ड नहीं पायगा,
तो हे दये! दूषित ही दोषी रह जायगा।

अथवा

'नहुष' काव्य के आधार पर 'शची' का चरित्र चित्रण कीजिए। (10 अंक)

इकाई -5

6. शब्द- शक्ति से क्या तात्पर्य है? प्रमुख भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भक्तिकालीन संत काव्यधारा की प्रमुख विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। (10 अंक)

खण्ड-स

7. संकलित काव्यांशों के आधार पर सूरदास जी के काव्य- सौंदर्य की समीक्षा कीजिए।
8. पाठ्यक्रम में संकलित पदों को दृष्टिगत रखते हुए सुंदरदास जी की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।
9. "भक्तिकाल हिंदी साहित्य के इतिहास का स्वर्ण युग है।" इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
10." 'ढोला मारू रा दूहा' राजस्थान का एक प्रमुख प्रेमाख्यानक काव्य है।" इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (2×15 = 30 अंक)

SHASTRI PART- III EXAMINATION, 2024

हिन्दी साहित्य

PAPER – IV (12022)

हिन्दी साहित्य - II

LIBRARY COPY

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 80

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

(खण्ड-अ)

इस खंड में कुल 15 अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न है जिसमें 10 प्रश्न हल करने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 से अधिक शब्दों में ना हो। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है [10*2=20]

प्रशन 1 (1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंध किस में संग्रहित है ?

(2) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंध प्रधानत: दो प्रकार कौन-कौन से हैं ?

(3) श्री बालकृष्ण भट्ट का जन्म कब हुआ था ?

(4) सरदार पूर्ण सिंह द्वारा रचित निबंध "आचरण की सभ्यता" का प्रकाशन वर्ष कौन सा है ?

(5) जनता द्वारा "उपन्यास सम्राट" की पदवी किस उपन्यासकार को दी गई है ?

(6) डॉ. रामदरश मिश्र की आत्मकथा का क्या नाम है ?

(7) "आकाश की छत" उपन्यास के लेखक का नाम बताइए।

(8) "आकाश की छत" उपन्यास के मुख्य पात्र का क्या नाम है ?

(9) "आकाश की छत" उपन्यास में किस गांव का वर्णन किया गया है ?

(10) रूपमती किस समाज से उभर कर ऊपर उठती है ?

(11) एकांकी के दो प्रकार बताइए।

(12) "इतनी सी बात" एकांकी में शंकर सोनिया को किस भाषा में बात करने के लिए बोलता है ?

(13) 'पर्दे के पीछे' एकांकी के लेखक का नाम बताइए।

(14) किशोर किस एकांकी का पात्र है ?

(15) वलहीन में रजनी किस की पुत्री है ?

(खण्ड-ब)

इस खंड में 5 लघुत्तरात्मक प्रश्न अथवा व्याख्याएँ है। इनमें से तीन प्रश्न हल करने हैं सभी प्रश्नों के अंक समान है शब्द सीमा 150 से 200 शब्द से अधिक। [3*10=30]

इकाई-I

प्रश्न-2 शत्रु संहार और निजी कार्य साधन निमित्त व्यास ने महाभारत में जो जो उपदेश दिए हैं और राजनीति की काट बहोत जैसी जैसी दिखाई है उसे सुने बिस्मार्क सरीखे इस समय के राजनीति के मर्म में कुशल राज्य पुरुषों की अखिल भी चरने चली जाती होगी इससे नीचे होता है कि प्रभुत्व और स्वार्थ साधन तथा प्रवचना पर्वत भारतवर्ष उस समय कहां तक उधार भाव संवेदना आदि उत्तम गुणों

से विमुख हो गया था युधिष्ठिर धर्म के अवतार और सत्यवादी प्रसिद्ध हैं पर उनकी सत्यवादी दानिश कार्य साधन के समय सब खुल गई अवस्थामा हद नरोवा कुंजारोवा इत्यादि कितने उदाहरण इस बात के हैं विस्तार भय से नहीं लिखते।

अथवा

आचरण की सभ्यता में भाषा सदा मोहन रहती है इस भाषा का निर्गुण शुद्ध समेत पत्रों वाला है इसमें नाम मात्र के लिए भी शब्द नहीं यह सभ्यता चरण नांद करता हुआ भी मौन है व्याख्यान देता वह भी व्याख्यान के पीछे छिपा है राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है अमृत वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मूल रूप से खुली हुई है नम्रता दया प्रेम उदारता सब के सब सभ्य चरण की भाषा के मोहन व्याख्यान है मनुष्य के जीवन पर मोहन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थाई होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

इकाई-II

प्रश्न -3 इस रूपक से उसे थोड़ी राहत मिली उसे लगा कि उसने यमुना पर चोट करके कुछ बदला चुका लिया । लेकिन इससे क्या होगा क्या इससे उसे पानी मिल जाएगा पानी बिच मीन पियासी रे मोहि सुन सुना वे हाँसी ।' उसे कबीर की पंक्ति याद आ गई । अरे अब तो उसे सभी याद आएंगे-कबीर, तुलसी, सात्र्र, कामु, नीत्शे, मार्क्स। आखिर उसे काम ही क्या है इन्हे याद क़रने के सिवाय! चलो हो सकता है कि सरकार की कोई नाव साव आए तो कुछ ले आए मगर नाव पानी कहाँ से ले आएगी ? वह खाना तो होटल में खाता है सो खाना तो पता नहीं कितने दिन के लिए गया, मगर चाय का काम तो चल ही जाता है कुछ बिसकिट कुछ डबलरोटी……लेकिन पानी ही नहीं तो क्या हो ? पानी ने पानी को सोख लिया है।

अथवा

हां वह भी मनु की तरह इस प्रलय प्रभाव को देख रहा है पता नहीं, बचेगा कि नहीं ! वह आधा तो डूब ही गया है । पुस्तके ही उसका जीवन है । पुस्तकें सब नीचे डूब रही हैं उसे पुस्तकों का कितना शौक रहा-पेट काट-काट कर उसने पुस्तकें खरीदी है हिंदी साहित्य, इंग्लिश साहित्य, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास की चुनी हुई पुस्तकें खरीदता रहा हैं । और अर्थशास्त्र तो उसका विषय ही रहा हैं । उसने बी. ए. तक हिंदी पढ़ी हैं । 'कामायनी' के कुछ अंश बी. ए. में थे । उससे प्रभावित होकर उसने 'कामायनी' खरीद ली थी । उसे वह जब तक पढ़ता रहता है-'हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर बैठ शिला की शीतल छाया एक पुरुष भीगे नैनो से देख रहा था प्रलय प्रवाह ।'

इकाई-III

प्रश्न 4 बात तो बड़े मार्के की है । आप ही बताइए, कितने पुरुष हैं जो अपनी स्त्री की स्त्री हो जाते हैं और---और (खाँसकर)जब घर से बाहर निकलते हैं, तो पुरुष बनकर लोगों पर अपना रौब दिखलाने का नाटक करते हैं लेकिन घर में पैर रखते ही वे स्त्री बन जाते हैं ? इस उलझन में प्रेम बेचारा क्या-क्या रूप धरे ? स्त्री के लायक बने या पुरुष के लायक, आप ही बतलाइए। ।

अथवा

बिल्कुल ! तुमने मेरे मुंह की बात छीन ली, जगमोहन ! लोग कहते हैं,इस मौके पर मां को बड़ी तकलीफ होती है, दूसरा जन्म होता है । मैं कहता हूँ, बाप पर जो गुजरती है, उसका भी किसी ने ख्याल किया है ? -----इधर से उधर नर्सें जा रही हैं, वह औजार गये वह डॉक्टर की पुकार हुई, इधर आया, कोई उधर गया, लेकिन आप हैं कि खड़े हैं -भूत की तरह, देख रहे हैं बेकार !

इकाई-IV

प्रश्न 5 'करुणा' निबंध की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी निबंध के विकास के विविध चरणों का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

इकाई-V

प्रश्न 6 व्यंग्यात्मक चित्रण की दृष्टि में 'इतनी सी बात' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'आकाश की छत' की समीक्षा कीजिए।

(खण्ड स)

इस खंड में 4 प्रश्न है कुल 2 प्रश्नों के उत्तर दीजिए सभी प्रश्नों के अंक सामान्य शब्द सीमा 300 शब्द से अधिक । [2*15=30]

प्रश्न 7 'तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य' में व्यक्त विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 8 'पर्दे के पीछे' एकांकी के मुख्य पात्र छीतरमल की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

प्रश्न 9 'आकाश की छत' की पात्र रूपमती समाज के परिवर्तन की प्रक्रिया को गति प्रदान करती है स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 10 उपन्यास के तत्व के आधार पर 'आकाश की छत' उपन्यास का तात्विक विश्लेषण कीजिए ।

SHASTRI PART- III EXAMINATION, 2024

संस्कृत वाङ्मयम्

PAPER – I (12029)

संस्कृत वाङ्मय – I

Faculty of Ved and Vedang

LIBRARY COPY

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 80

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

खण्डम्- (अ)

अतिलघुत्तरीयप्रश्नाः

अधोलिखितेषु केचन् दश प्रश्नाः समाधेयाः-(शब्दसीमा 25) 10X2= 20

1. ईशावास्योपनिषदि कति मन्त्राः विद्यन्ते?
2. न कर्म लिप्यते ....। इत्यत्र रिक्तस्थानं पूरयतु?
3. बाणभट्टस्य काव्यद्वयं लिखतु।
4. श्रीमद्भगवद्गीता केन कस्मै प्रोक्ता।
5. कति कृत्यप्रत्यया भवन्ति?
6. पीत्वा इत्यत्र प्रत्ययः अस्ति?
7. तल् प्रत्ययस्य उदाहरणद्वयं लिखतु।
8. तदस्यास्त्यस्मिन्निति....। इति सूत्रांशं पूरयतु।
9. ति प्रत्ययस्य उदाहरणं विलिख्य सूत्रनिर्देशः करणीयः।
10. टाप् प्रत्ययस्य उदाहरणद्वयं सिध्यतु।
11. लघुसिद्धान्तकौमुद्याः मङ्गलपद्ये कस्य स्तुतिरस्ति।
12. व्याकरणस्य अपरं नाम किम्?
13. उगितश्च इत्यनेन सूत्रेण प्रत्ययो भवति।
14. वेदपुरुषस्य व्याकरणम् किम्?
15. कालिदासेन कति रूपकाणि लिखितानि? तेषां नाम्ना निर्देशः विधेयः।

खण्डम्(ब)

लघुत्तरीयप्रश्नाः

निम्नाङ्कितेषु त्रयो प्रश्नाः समाधेयाः-(शब्दसीमा 150 तः 200 तमम्) **3X10 =30**

1. निम्नलिखितमन्त्रस्य ससन्दर्भं व्याख्या विधेया-

   ॐ ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्।
   तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।।

   अथवा

   यस्तु सर्वाणि भूतान्यात्मन्येवानुपश्यति।
   सर्वभूतेषु चात्मानं ततो न विजुगुप्सते।।

2. वयसि प्रथमे इति सूत्रस्य व्याख्यानं कृत्वा ङीप् प्रत्ययस्य द्वयोरुदाहरणयोः प्रयोगसिद्धिः विधेया।
3. अनीयर्-तव्यत् इति द्वयोः प्रत्यययोः भेदोल्लेखपूर्वकं व्याख्यानं कुरुत।
4. कृदन्त-तद्धितप्रत्यययोःभेदोल्लेखं निरूप्य उदाहरणद्वयं विवेचनीयम्।
5. उपनिषदां महत्वं लेखनीयम्।

खण्डम्(स)
दीर्घ-उत्तरीयप्रश्नाः

निम्नलिखितेषु द्वयोः प्रश्नयोः निबन्धात्मकव्याख्या विधेया-(शब्दसीमा 300) **2X15 =30**

1. अधोलिखितेषु विषयेषु एकः निबन्धः लेख्यः ।

(अ)-कालिदासः (ब) संस्कृतभाषायाः महत्वम्
(स)उद्योगस्य महत्वम् (द) रामायणम्

2 अधोलिखितेषु त्रयाणां शब्दानां सिद्धिप्रक्रिया व्याख्येया।

अ)विदुष्मान् (ब)लघुतमः
(स)शाब्दिकः (द) त्रिलोकी
(य)भवन्ती

3. अधोलिखितेषु त्रयाणां शब्दानां सिद्धिप्रक्रिया व्याख्येया।

(अ)चेतव्यः (ब) देयम्
(स)स्नानीयम् (द) शिष्यः
(य)कारकः

4.ईशावास्योपनिषदनुसारं आत्मनः स्वरूपं व्याखयेयम्।

••••••

SHASTRI PART- III EXAMINATION, 2024

LIBRARY COPY

संस्कृत वाङ्मय

PAPER – II (12030)

संस्कृत वाङ्मय – II

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 80

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

प्रश्न सं0 1 : पञ्चविंशती शब्दात्मकेषु केवल दसप्रश्नाः समाधेयाः - 2×10 = 20

1. तर्कसंग्रहस्य प्रणेताः कः?
2. तर्कसंग्रहानुसारं पदार्थाः कतिविधाः?
3. रूपरहितं स्पर्शवत् द्रव्यं किमस्ति?
4. तन्तुसंयोगः पटस्यं कीदृशं कारणम्?
5. 'संस्कारमात्रजनकं ज्ञानम्' अस्ति?
6. शुकनासोपदेशः कस्य ग्रन्थस्य अंशः?
7. तारापीडस्य मन्त्री कः?
8. चन्द्रापीडः कस्य पुत्रः आसीत्?
9. कादम्बरी इति शब्दस्य प्रसिद्धोऽर्थोऽस्ति?
10. अपरिणामोपशमो दारुणो कस्य मदः?
11. श्रीमद्भगवद्गीतायाः कति अध्यायाः?
12. 'श्रीमद्भगवद्गीताः' कस्य पर्वणः खण्डः?
13. 'सांख्ययोग' इति कस्याध्यायस्म नाम?
14. क्रोधाद् भवति?
15. 'स्थितधीः......उच्यते' इत्यत्र रिक्तस्थानं पूरयतु?

प्रश्न सं0 2 : एक पञ्चाशत् शब्दात्मकेषु प्रश्नत्रयमेव समाधेयम् - 3×10 = 30

1. तर्कसंग्रहानुसारेण प्रत्यक्षलक्षणं विवेचनीयम्।
2. पृथिव्याः निरूपणम् करोतु।

3. अधोलिखितयोः कस्य एकगद्यस्य सप्रसङ्गव्याख्या करणीयाः -

I. न परिचयं रक्षति। नाभिजनमीक्षते। न रूपमालोकयते। न कुल-क्रममनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्ध्यं गणयति। न श्रुतमाकर्णयति। न धर्ममनुरूयते। न त्यागमाद्रियते। न आचारं पालयति। न सत्यमनु बुध्यते।

II. एवं समतिक्रामत्सु केषुचिद्दिवसेषु राजा चन्द्रापीडस्य यौवराज्याभिषेकं चिकीर्षुः, प्रतीहारानुपकरणसम्भार संग्रहार्थमादिदेश। समुपस्थितयौवराज्याषिकञ्च तं कदाचिद् दर्शनार्थमागतमारूढविनयमपि विनीत तरमिच्छन् कर्तुं शुकनासः सविस्तरमुवाच।

4. अधोलिखितयोः श्लोकयोः कस्य एकस्य व्याख्या करणीया –

I. नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो नं शोषयति मारुतः।।

अथवा

II. कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

प्रश्न सं0 3 : त्रिशतं शब्दात्मकेषु निबन्धात्मकं प्रश्नद्वयमेव समाधेयम् - $15 \times 2 = 30$

I. द्रव्याणि कति, कानि च तानीति नाम्ना निर्दिश्य तेषां वर्णनं करोतु।

II. 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वं' इति विवेचयत।

III. शुकनासोपदेशस्य कथासारं लिखतु।

IV. श्रीमद्भगवद्गीतायाः द्वितीयाध्यायस्य वर्णनं करोतु।

*****